Roll No.----------

प्रश्नपुस्तिका क्रमांक
Question Booklet No.

O.M.R. Serial No. | | | | | | | | |

प्रश्नपुस्तिका सिरीज
Question Booklet Series
A

B.A. L.L.B (Eight Semester) Examination, 2021

BA LLB802

CRIMINAL LAW-II (CRIMINAL PROCEDURE CODE)

Time : 1:30 Hours **Maximum Marks-100**

जब तक कहा न जाय, इस प्रश्नपुस्तिका को न खोलें

निर्देश : –

1. परीक्षार्थी अपने अनुक्रमांक, विषय एवं प्रश्नपुस्तिका की सिरीज का विवरण यथास्थान सही– सही भरें, अन्यथा मूल्यांकन में किसी भी प्रकार की विसंगति की दशा में उसकी जिम्मेदारी स्वयं परीक्षार्थी की होगी।
2. **इस प्रश्नपुस्तिका में 100 प्रश्न हैं, जिनमे से केवल 75 प्रश्नों के उत्तर परीक्षार्थियों द्वारा दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर प्रश्न के नीचे दिये गये हैं। इन चारों में से केवल एक ही उत्तर सही है। जिस उत्तर को आप सही या सबसे उचित समझते हैं, अपने उत्तर पत्रक (O.M.R. ANSWER SHEET) में उसके अक्षर वाले वृत्त को काले या नीले बाल प्वांइट पेन से पूरा भर दें। यदि किसी परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित प्रश्नों से अधिक प्रश्नों के उत्तर दिये जाते हैं तो उसके द्वारा हल किये गये प्रथमतः यथा निर्दिष्ट प्रश्नोत्तरों का ही मूल्यांकन किया जायेगा।**
3. प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। आप के जितने उत्तर सही होंगे, उन्हीं के अनुसार अंक प्रदान किये जायेंगे।
4. सभी उत्तर केवल ओ०एम०आर० उत्तर पत्रक **(O.M.R. ANSWER SHEET)** पर ही दिये जाने हैं। उत्तर पत्रक में निर्धारित स्थान के अलावा अन्यत्र कहीं पर दिया गया उत्तर मान्य नहीं होगा।
5. ओ०एम०आर० उत्तर पत्रक **(O.M.R. ANSWER SHEET)** पर कुछ भी लिखने से पूर्व उसमें दिये गये सभी अनुदेशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लिया जाय।
6. परीक्षा समाप्ति के उपरान्त परीक्षार्थी कक्ष निरीक्षक को अपनी प्रश्नपुस्तिका बुकलेट एवं ओ०एम०आर० शीट पृथक–पृथक उपलब्ध कराने के बाद ही परीक्षा कक्ष से प्रस्थान करें।
7. निगेटिव मार्किंग नहीं है।

महत्वपूर्ण : – **प्रश्नपुस्तिका खोलने पर प्रथमतः जॉच कर देख लें कि प्रश्नपुस्तिका के सभी पृष्ठ भलीभॉति छपे हुए हैं। यदि प्रश्नपुस्तिका में कोई कमी हो, तो कक्ष निरीक्षक को दिखाकर उसी सिरीज की दूसरी प्रश्नपुस्तिका प्राप्त कर लें।**

780

1. "When the Criminal Procedure Code,1973 come in to force?
   (A) 1st January 1973
   (B) 1st October 1973
   (C) 1st January 1974
   (D) 1st April 1974

2. "What is true of code of criminal Procedure?
   (A) The codes provides a uniform criminal procedure applicable thought out india
   (B) It is Sufficently flexible to adjust itself to the special local needs.
   (C) Both (A) and (B)
   (D) Only (A)

3. The Classification of the cegnizable and non cognizable affeenes has been done under criminal procedure code:
   (A) Under 1st scheduled of Cr. P.C.
   (B) Under 2nd scheduled of Cr. P.C.
   (C) Under Sec-320 of Cr. P.C.
   (D) Under Sec-321 Of Cr. P.C.

4. The Provisions of the Code are:
   (A) Mainly mandatory
   (B) Merely directory
   (C) Niether mandatory nor directory
   (D) None Of the above

5. How much section are in Criminal Procedure code,1973:
   (A) 565
   (B) 484
   (C) 551
   (D) 450

6. Statement : (A) The purpose of peval law is to prevent Crimes.
   Reason: "R" In Some Circumstances a private person also arrest a another person.
   (A) "A" and "R" both are correct and "R" "A" is a correct explanation.
   (B) "A" and "R" both are correct and "R", "A" is a correct explanation.
   (C) "A" is correct but "R" is incorrect.
   (D) "A" is Incorrect but "R" is correct.

7. The Code:
   (A) Is mainly procedural
   (B) Contains provisions in the valuse of Substantive law.
   (C) Both (A) and (B)
   (D) Only (A)

1. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 किस दिनांक से प्रवृत्त हुई?
   (A) 1 जनवरी 1973
   (B) 1 अक्टूबर 1973
   (C) 1 जनवरी 1974
   (D) 1 अप्रैल 1974

2. क्या सही है कि दण्ड प्रक्रिया संहिता
   (A) संहिता द्वारा एक समान दण्ड प्रंक्रिया सभी पर लागू
   (B) यह सक्षम और जरूरत को पूर्ण करने में पर्याप्त एवं लचीला है
   (C) दोनों (A) और (B)
   (D) केवल (A)

3. दण्ड प्रक्रिया संहिता मे जमानती और गैर जमानती अपराधों का वर्गीकरण किसके अर्न्तगत किया गया है?
   (A) दण्ड प्रंक्रिया संहिता की प्रथम अनुसूची में
   (B) दण्ड प्रक्रिया संहिता की दूसरी अनुसूची में
   (C) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 320 में
   (D) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 321 में

4. संहिता के प्रावधान हैं
   (A) मुख्यतयः अनिवार्य
   (B) मात्र निर्देशिका
   (C) न ही अनिवार्य और न ही निर्देशिका
   (D) उपरोक्त मे कोई नही

5. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 में कितनी धाराये है?
   (A) 565
   (B) 484
   (C) 551
   (D) 450

6. कथनः (A) ! दण्ड विधि का उद्देश्य अपराधों को रोकना है
   कारण : (B): कुछ परिस्थितिओं में एक प्राईवेट व्यक्ति भी दूसरे व्यक्ति को गिरफ्तार कर सकता है
   (A) 'A' और 'R' दोनो सही हैं और 'R', 'A' का सही स्पष्टी करण है
   (B) 'A' और 'R' दोनो सही हैं और R', 'A' सही स्पष्टी करण नहीं है
   (C) 'A' सही परन्तु 'R' गलत है
   (D) A' गलत है परन्तु 'R' सही है

7. संहिता सम्बन्धित हैः
   (A) मात्र प्रक्रिया
   (B) इसके प्रावधान मूल कानून के स्वरूप मात्र हैं
   (C) दोनो (A) और (B)
   (D) केवल (A)

8. Main Character she of criminal procedure code is:
   (A) Judicial power also given to executive legislative.
   (B) Seapration of legislative to excutives
   (C) To Seaprate judiciary to executives.
   (D) To seaprate revenue work from executives.

9. Non Bailable offence means:
   (A) Only the crimes mention in 1st Scheduled the non bailable under offence in cr. p.c.
   (B) All the offense of cr. p.c. under first scheduled or at the true of enforced any other law bailable offences are not mention.
   (C) offence in which police affier arrest without warrant.
   (D) Offence is which police have not arrest without warrant.

10. Which are Bailable Crimes:
   (A) Those are mention in the list of 1st scheduled of cr. p. c
   (B) All the Cases trial by summary
   (C) In all Cases of non- Cognisable offence
   (D) All the cases trial by court of session

11. In cognizable offence a police officer:
   (A) Police officer can not arrest to the accused without warrant.
   (B) A police officer arrest to the accused without warrant.
   (C) Police officer without remand order under eustody of the accused.
   (D) Present of the accused before the magistrate is not required essential

12. Non. Cougnizable oftence means:
   (A) A police offence has authority to arrest without warrant
   (B) police officer cannot arrest without warrant
   (C) It depends on the discretion of the police officer
   (D) on request of complainant arrest can be made

8. दण्ड प्रक्रिया संहिता की मुख्य विशेषता है
   (A) कार्यपालक मजिस्ट्रेट को न्यायिक शक्ति प्रदान करना
   (B) विधायक को कार्यपालिका से प्रथक करना
   (C) न्याय पालिका को कार्यपालिका से प्रथक करना
   (D) कार्यपालिका से राजस्व कार्यो को प्रथक करना

9. अजमानतीय अपराध से अभिप्रेत हैः
   (A) केवल वे अपराध जो दण्ड प्रक्रियां संहिता की प्रथम अनुसूची में अजमानतीय बताये गये है
   (B) वे सभी अन्य अपराध जो दण्ड प्रक्रिया संहिता के अधीन प्रथम अनुसूची में या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि द्वारा जमानती अपराध नहीं बताये गये है
   (C) ऐसा अपराध जिसके लिए पुलिस वारन्ट के बिना गिरफ्तार कर सकती है
   (D) ऐसा अपराध जिसके की पुलिस बिना वारण्ट के गिरफ्तार नहीं कर सकती हैं

10. जमानतीय अपराध कौन से हैं?
   (A) द. प्र.से. की प्रथम अनुसूची में जिनमें जमानतीय अपराध का उल्लेख किया गया है
   (B) सभी सम्मन विचारण के प्रकरण
   (C) संभी असंज्ञय अपराध के प्रकरण
   (D) सभी प्रकरण जो सत्र न्यायालय द्वारा विचारणीय नहीं है

11. संज्ञेय अपराध मे पुलिस अधिकारीः
   (A) आरोपी को वारण्ट के बिना गिरफ्तार नहीं कर सकता है
   (B) आरोपी को वारण्ट के बिना गिरफ्तार कर सकता है
   (C) आरोपी को रिमाण्ड आदेश के बिना पुलिस हिरासत मे रख सकता है
   (D) आरोपी को मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत करना अवश्यक नहीं हैं।

12. अंसज्ञय अपराध से तात्पर्य हैः
   (A) पुलिस अधिकारी बिना वारंण्ट गिरफ्तार कर सकता है
   (B) पुलिस अधिकारी बिना वारण्ट गिरफ्तार नहीं कर सकता
   (C) पुलिस अधिकारी के विवेक पर निर्भर है
   (D) शिकायत कर्ता के निवेदन पर गिरफ्तारी की जा सकती है

13. Inquiry has been made under criminal procedure code 1973
(A) By the police officer
(B) By the only magistrate
(C) By the session court.
(D) By magistrate or court.

14. Which is Judicial procedure is the following:
(A) Investigation
(B) Inquiry and investigation
(C) Inquiry and Trial
(D) Trial and Investigation

15. Complaint means:
(A) Any allegation made orally or in writing to a magistrate.
(B) Any allegation made orally or in writing to a magistrate or a police officer
(C) Any allegation made orally or in writing to a magistrate or a Judge
(D) All of the above

16. The object of the Investigation:
(A) To arrest the accused
(B) To punished the accused
(C) To collect evidence against the accused
(D) None of the above

17. Investigation has done of any offence
(A) By police officer
(B) By executive magistrate
(C) By Tehsildar
(D) By Judicial magistrate

18. Control of the local jurisdiction of judicial magistrate:
(A) state government
(B) high court
(C) chief judicial magistrate
(D) (B) and (C) both.

19. No person shall be appointed as a police praseculor for the district unless his name appears in the panel of names prepared by:
(A) session judge
(B) hight court
(C) District magistrate
(D) superintendent of police

20. Trial of the offence cannot be done under penal code
(A) By high court
(B) by court of session
(C) By chief judicial magistrate
(D) by sub divisional officer

13. दण्ड प्रक्रिया संहिता,1973 के अर्न्तगत जांच की जाती है,
(A) पुलिस अधिकारी द्वारा
(B) केवल मजिस्ट्रेट द्वारा
(C) सत्र–न्यायाधीश द्वारा
(D) मजिस्ट्रेट या न्यायालय द्वारा

14. निम्नलिखित में से कौन सी प्रक्रिया न्यायिक है:
(A) अन्वेषण
(B) जांच एव अन्वेषण
(C) जांच एंव विचारण
(D) विचारण एवं अन्वेषण

15. शिकायत सम्बन्धित है
(A) कोई आरोप मौखिक या लिखित मजिस्ट्रेट को दिया जाये
(B) मौखिक या लिखित आरोप मजिस्ट्रेट या पुलिस अधिकारी के समक्ष दिया जायें
(C) कोई आरोप मौखिक या लिखित मजिस्ट्रेट या जज को दिया जायें
(D) उपरोक्त सभी

16. अन्वेषण का उद्देश्य है:
(A) अभियुक्त की गिरफ्तारी से
(B) अभियुक्त को दण्डित करने से
(C) अभियुक्त के खिलाफ साक्ष्यों के संग्रह से
(D) उपरोक्त से कोई नही

17. किसी अपराध का अन्वेषण किया जाता है
(A) पुलिस अधिकारी द्वार
(B) कार्य पालिका दण्डाधिकारी द्वारा
(C) तहसीलदार द्वारा
(D) न्यायिक दण्डाधिकारी द्वारा

18. न्यायिक मजिस्ट्रेट की स्थानीय अधिकारिणा नियन्त्रण मे है:
(A) राज्य सरकार के
(B) उच्च न्यायालय के
(C) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के
(D) (B) और (C) दोनों के

19. कोई व्यक्ति सरकारी अभियोजक जिले के अर्न्तगत नियुक्त नही हो सकता है जब तक उसका नाम पैनल अधिवक्ता की सूची मे न हो जो कि तैयार की जाती है:
(A) सत्र न्यायाधीश द्वारा
(B) उच्च न्यायालय द्वारा
(C) जिला मजिस्ट्रेट द्वारा
(D) पुलिस अधीक्षक द्वारा

20. भारतीय दण्ड संहिता के आधीन किसी अपराध का विचारण नही किया जा सकता है:
(A) उच्च न्यायालय द्वारा
(B) सत्र न्यायालय द्वारा
(C) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा
(D) उपखण्ड अधिकारी द्वारा

21. Which court has been trial is the following in case of murder:
(A) Magistrate 1st class
(B) Chief judicial magistrate
(C) Additional session judge
(D) None of the above

22. What sentence an assistant session judge may award?
(A) Life imprisonment
(B) Any sentence authorized by law except the sentence of death or of imprison ment for life or of imprisonment for a term exceeding 10 year
(C) Up to 14 years
(D) Up to 20 years

23. 'A' Metropatition magistrate may pass a sentence of imprison meat for term not exceding:
(A) Three years
(B) five years
(C) seven years
(D) four years

24. Which of the folliwing can make an arrest?
(A) A police officer
(B) A magistrate
(C) A private person
(D) All of the above

25. Under sec- 43 a private person can arrest any person who has in his presence;
(A) Committed a non bailable and Cognizable offerce
(B) Any person who is a proclaimed offender
(C) Both (A) and (B)
(D) Only (A)

26. Assertion (A): The purpose of criminal law is to prevent crime. Reason (R) : In certain situation even a private person can arrest another person
(A) Both (A) and (R) are true (R) is the correct explanation of (A)
(B) Both (A) and (R) Are true 'R' is not the carrect explanation of 'A'
(C) 'A' is true but 'R' is false
(D) 'A' is false but 'R'is true

21. हत्या के बाद मे परीक्षण निम्न मे से कौन न्यायालय कर सकता है?
(A) मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
(B) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
(C) अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश
(D) इनमें से कोई भी न्यायालय

22. सहायक सत्र न्यायाधीश क्या सजा दे सकते है?
(A) उम्र कैद
(B) कोई सजा जो विधि मे दी है सिवाय मृत्यु दण्ड अथवा उम्रकैद अथवा 10 वर्ष से अधिक की सजा
(C) 14 वर्ष तक
(D) 20 वर्ष तक

23. एक महानगर मजिस्ट्रेट निम्न में इससे अधिक कारावास नहीं दे सकता है
(A) तीन वर्ष का
(B) पाँच वर्ष का
(C) सात वर्ष का
(D) चार वर्ष का

24. इनमे से कौन गिरफ्तारी कर सकता है
(A) एक पुलिस अधिकारी
(B) एक मजिस्ट्रेट
(C) एक निजी व्यक्ति
(D) उपरोक्त सभी

25. एक साधारण व्यक्ति द्वारा किसी की गिरफ्तारी अर्न्तगत धारा 43 की जा सकती है यदि वह उसकी उपस्थिति में:
(A) गैर जमानतीय एंव संज्ञेय अपराध कारित करता है
(B) कोई व्यक्ति जो घोषित अपराधी है
(C) दोनों (A) और (B)
(D) केवल (A)

26. कथन: (A) आपराधिक विधि का उद्देश्य अपराध को रोकना है
कारण '(R)' कुछ परिस्थितियों में एक साधारण व्यक्ति भी किसी व्यक्ति को गिरफ्तार कर सकता है
(A) दोनों 'A' और 'R' सही है 'R' की सही व्याख्या 'A'
(B) दोना 'A' और 'R' सही है 'R' नही है सही व्याख्या 'A' की
(C) 'A' सही है लेकिन 'R' गलत है
(D) 'A' गलत है 'R' सही है

27. In which section under criminal procedure code police arrest to the accused with out warrant
(A) In section 37
(B) In section 40
(C) In section 42
(D) In section 41

28. Any arrested person can not detained in police custady:
(A) For the period of more the 24 hour
(B) Without the permission or order of magistrate for more than 24 hour if his arrest mode without the warrant
(C) More than 90 days.
(D) More than 15 days.

29. Which of the following acts amount 10 arrest?
(A) Express words
(B) conduct
(C) Both (A) and (b)
(D) only (A)

30. Which kind the service of summan has been made:
(A) By police officer
(B) By any officer of the court
(C) By other authorized public servent.
(D) By any of the above.

31. In which section of Cr. Pc a warrant issued by the court cannot service than declared absconding
(A) In section 81
(B) In section 83
(C) In section 82
(D) In section 84

32. Search of places containing stolen. Properly, target documents. Etc.is provided for under.'
(A) Sec.91
(B) Sec.92
(C) Sec.93
(D) Sec.94

33. A declaration of forfeitine under section. 95 can be set a side by
(A) Session court
(B) Magistrate issuing the search warrant
(C) Chief judicial magistrate
(D) High court.

27. दण्ड प्रक्रिया सहिता की निम्न किस धारा के अर्न्तगत पुलिस अभियुक्त को बिना वारण्ट गिरफ्तार कर सकती है:
(A) धारा 37
(B) धारा 40
(C) धारा 42
(D) धारा 41

28. किसी की गिरफ्तार किये गये व्यक्ति को पुलिस अभिरक्षा मे निरूद्ध नही किया जायेगा।
(A) 24 घण्टे से अधिक अवधी के लिए
(B) बिना मजिस्ट्रेट की विशिष्ट आज्ञा के चौबीस घण्टे की अवधि से अधिक के लिए यदि उसे बिना वारण्ट के गिरफ्तार किया गया है
(C) नब्बे दिवस से अधिक के लिए
(D) पन्द्रह दिवस से अधिक के लिए

29. निम्नलिखित में कौन से कार्य से गिरफ्तारी मानी जायेगी:
(A) स्पष्ट शब्द से
(B) आचरण
(C) दोनो (A) और (B)
(D) केवल (C)

30. समन की तामील किस प्रकार की जाती है
(A) पुलिस अधिकारी द्वारा :
(B) न्यायालय के किसी अधिकारी द्वारा
(C) किसी अन्य प्राधिकृत लोक सेवक द्वारा
(D) उपर्युक्त मे से किसी के भी द्वारा

31. दण्ड प्रक्रिया की किस धारा के अधीन एक व्यक्ति जिसके विरूद्ध न्यायालय द्वारा जारी वारन्ट की तालीम नहीं हो रही है फरार घोषित किया जा सकता है:
(A) धारा 81
(B) धारा 83
(C) धारा 82
(D) धारा 84

32. तलाशी के स्थान जो चोरी की सम्पत्ति एव जाली दस्तावेज से सम्बन्धित है
(A) अर्न्तगत धारा 91
(B) अर्न्तगत धारा 92
(C) अर्न्तगत धारा 93
(D) अर्न्तगत धारा 94

33. सम्पत्ति जब्त के आदेश अर्न्तगत धारा 95 को निरस्त किया जा सकता है
(A) जज न्यायालय द्वारा
(B) मजिस्ट्रेट जिनके द्वारा वारण्ट निर्गत किया गया
(C) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा
(D) उच्च न्यायालय द्वारा

34. Any officer incharge of the police station may investigate any cognizable case or offence
(A) without the order of a magistrate
(B) without a FIR
(C) Both (A) and (B)
(D) None of the above

34. कोई थाने का भार साधक अधिकारी किसी संज्ञेय अपराध की जांच कर सकता है
(A) मजिस्ट्रेट के बिना आदेश
(B) बिना एफ. आई – आर
(C) दोनों (A) और (B)
(D) उपयुक्त में कोई नही

35. In Cr. PC who is outhorsid to write a statement of confession u/s 164 of Cr. PC.
(A) A police officer
(B) A executive magistrate
(C) Judicial magistrate
(D) Neither judicial magistrate nor executive magistrate.

35. निम्न में से कौन दण्ड प्रक्रिया की धारा 164 के अधीन संस्वीकृत कथन अभिलिखित करने हेतु अधिकृत है
(A) एक पुलिस अधिकारी
(B) एक कार्यपालक मजिस्ट्रेट
(C) न्यायिक मजिस्ट्रेट
(D) न तो न्यायिक मजिस्ट्रेट न कार्यपालक मजिस्ट्रेट

36. During Investigation the statement of confession who recorded-
(A) Any senior police officer
(B) Judicial magistrate of his local jurisdich on.
(C) Executive magistrate
(D) Any judicial magistrate.

36. अन्वेषण के दौरान दी गयी संस्वीकृत या कथन कौन अभिलिखित कर सकता हैः
(A) कोई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी
(B) न्यायिक मजिस्ट्रेट जो अधिकारिता रखता हो
(C) कार्यपालक मजिस्ट्रेट
(D) कोई न्यायिक मजिस्ट्रेट

37. The order of investigation by a magistrate in provided for under.'
(A) Sec. 156 (3)
(B) Sec. 155 (3)
(C) Sec. 157 (3)
(D) Sec. 158

37. मजिस्ट्रेट द्वारा अन्वेषण हेतु आदेश दिया जाता हैः
(A) अर्न्तगत धारा 156 (3)
(B) अर्न्तगत धारा 155 (3)
(C) अर्न्तगत धारा 157 (3)
(D) अर्न्तगत धारा 158

38. The recording of statement by a police officer during investigation is provided
(A) Sec. 161 (1)
(B) Sec. 161 (2)
(C) Sec. 161 (3)
(D) Sec. 162 (1)

38. पुलिस अधिकारी द्वारा अन्वेषण मे ब्यान की रिकार्डिग को प्रदान की व्यवस्था की गयीः
(A) धारा 161 (I)
(B) धारा 161 (II)
(C) धारा 161 (III)
(D) धारा 162 (I)

39. A statement made to a police officer could be used.'
(A) Only by the accused
(B) only by the prosecution
(C) Both (A) and (B)
(D) only (A)

39. पुलिस के सामने दिया गया कथन प्रयोग मे लाया जा सकता है
(A) केवल आरोपित द्वारा
(B) केवल अभियोजन द्वारा
(C) दोनों (A) और (B)
(D) केवल (A)

40. What is not necessary for the making of a search by police under section 165.'
(A) Existence of reasonable ground
(B) offence must be cognizable offence
(C) Getting a search warrant from a magistrate
(D) Previous recording of graunds of belief regording necessity of search

40. अर्न्तगत धारा 165 तलासी करने के लिए पुलिस द्वारा क्या आवश्यक नही है
(A) उचित आधार का आस्तित्व
(B) संज्ञेय अपराध का होना आवश्यक है
(C) मजिस्ट्रेट द्वारा तलाशी वारण्ट लिया गया है
(D) पूर्व आधार जिससे तलाशी आवश्यक हैं।

41. The accused person could be released on boil U/S 167 only if the offence is?
(A) Boilable
(B) non boilable
(C) Boilable or non boilable
(D) None of the above

42. Which of the following is the end result of the police investigation
(A) police report
(B) charge sheet
(C) challan
(D) all of the above

43. In which section of cr. P.c. 1973 give the right is the presiding officer to give the examption is the accused from the personal presence at the time when the statement taken of witnesses.
(A) U/S 299
(B) U/S 273
(C) U/S 205
(D) U/S 285

44. In which section the criminal procedure code, provides for joint trial more then one person:
(A) U/S 224
(B) U/S 221
(C) U/S 222
(D) U/S 223

45. A cognizable. Offence is triable by.'
(A) By the Judicial magistrate 1st class
(B) By the chief judicial magistrate
(C) By the session court
(D) All of the above.

46. Under the Cr, p.c. in which section a joint trial has been saprate:
(A) U/S 223
(B) U/S 299
(C) U/S 317
(D) U/S 482

47. What is the about a court of session?
(A) It can lake cognizance with cammit meat
(B) It can not take cognizance with out commitment
(C) It can take cognizance on the recommendation of the district magistrate
(D) It can take eognizance if the challan is put by the superintendent of police

41. मुल्जिम को जमानत पर अर्न्तगत धारा 167 छोड़ दिया जायेगा यदि अपराध है:
(A) जमानतीय
(B) अजमानतीय
(C) जमानतीय और अजमानतीय
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

42. पुलिस द्वारा अन्वेषण के उपरान्त निम्नांकित में क्या परिणाम होगें:
(A) पुलिस रिपोर्ट
(B) आरोप दर्ज
(C) चालान
(D) उपर्युक्त सभी

43. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की कौन सी धारा पीठासीन अधिकारी को अधिकार देती है कि वह साक्ष्यों के व्यानों को दर्ज करने के समय अभियुक्त को व्यक्तिगत उपस्थिति से माफी दे सकता है?
(A) धारा 299
(B) धारा 273
(C) धारा 205
(D) धारा 285

44. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की निम्न कौन सी धारा कई व्यक्तियों के संयुक्त विचारण को प्रावधानित करती है:
(A) धारा 224
(B) धारा 221
(C) धारा 222
(D) धारा 223

45. एक संज्ञेय अपराध विचारणीय है :
(A) न्यायिक मंजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी द्वारा
(B) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा
(C) सत्र न्यायालय द्वारा
(D) इन सभी द्वारा

46. संहिता की किस धारा के अर्न्तगत एक संयुक्त विचारण कों विभाजित किया जा सकता है:
(A) धारा 223
(B) धारा 299
(C) धारा 317
(D) धारा 482

47. क्या सही है सत्र न्यायालय के सम्बन्ध में
(A) यह प्रतिबद्धता के साथ संज्ञान ले सकता है
(B) यह प्रतिबद्धता के बिना संज्ञान ले सकता है
(C) यह जिला मजिस्ट्रेट की सिफारिश पर संज्ञान ले सकता है
(D) यह संज्ञान ले सकता है यदि चालान पुलिस अधीक्षक द्वारा दाखिल कर दिया गया है

48. Under section 207 or 208 cr. p-c. copies are provided to the accused:
(A) by magistrate
(B) by assistant public prosecutors
(C) By the complaint
(D) By the Incharge of police officer of police station.

49. In charge which is not Specified essentially in the following :
(A) Offence Specified for which accused be changed
(B) Essentially in charge Definition of crime along with the section on which on offence has been committed
(C) Specified crime and lince and place
(D) Specified the munner of the crime has been committed.

50. In murder under cr. P.c. 1973 trial by which court
(A) Magistrate of 1st class
(B) Chief judicial magistrate
(C) Session court
(D) Any court of above

51. A magistrate may dismiss a complaint under sec.203.
(A) It upon its statement of the complaint recorded u/s. 200 he finds that no offence has been committed
(B) It he distrust the statement made by the complainant
(C) Both (A) and (B)
(D) only(A)

52. In which of the following cases, a camplaint cannot be dismissed.
(A) It proceedings are once commenced against the accused after he is summered
(B) Absence of Complained in a summon case
(C) Un explained delay
(D) All of the above

48. धारा 207 या 208 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अर्न्तरगत अभियुक्त को प्रतिलिपियां प्रदान की जाती है:
(A) मजिस्ट्रेट द्वारा
(B) सहायक लोक अभियोजक द्वारा
(C) परिवादी द्वारा
(D) पुलिस थाने के भार साधक अधिकारी द्वारा

49. आरोप में निम्नलिखित में कौन सी विशिष्ठ होना आवश्यक नहीं है?
(A) उस अपराध का विवरण जिनके लिए अभियुक्त को आरोपित किया जा रहा है
(B) आवश्यक रूप से उसमें अन्तर्विष्ट अपराध की परिभाषा सहित विधि की धारा जिसके विरूद्ध अपराध कथित रूप से पारित किया गया
(C) अभिकथित अपराध के समय तथा स्थान की विशिष्टता
(D) जिस रीत से अपराध कारित किया गया उसकी विशिष्टिया

50. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अर्न्तगत हत्या के मामले में कौन सा न्यायालय विचारण कर सकता है?
(A) प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट
(B) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
(C) सत्र न्यायाधीश
(D) उपरोक्त मे से कोई भी न्यायालय

51. अर्न्तगत धारा 203, मजिस्ट्रेट शिकायत को खारिज कर सकता है
(A) यदि अर्न्तगत धारा 200 वादी का कथन लिया गया जिसमें पाया गया कि कोई अपराध नहीं हुआ
(B) वादी द्वारा दिया गया ब्यान अविश्वासनीय
(C) दोनों (A) और (B)
(D) केवल (A)

52. निम्नलिखित में शिकायत खारिज नहीं कि जा सकती हैं
(A) आरोपी पर सम्मन होने के बाद कार्यवाही प्रारम्भ होने पर
(B) सम्मन केश में शिकायत कर्ता की गैर हाजिरी पर
(C) अस्पष्टीकृत देरी
(D) उपर्युक्त सभी

53. Issue of process (summon or warrant) is provided for under
(A) sec.203
(B) sec.204
(C) sec.205
(D) sec.206

54. Which of the following magistrates can issue the process:
(A) A magistrate who has taken cognizes
(B) A magistrate to whom case has been transformed
(C) Both (A) and (B)
(D) Only (A)

55. The provision to dispense with the personal attendance of the accused are contained in:
(A) Secs. 204 and 205
(B) Secs. 205 and 206
(C) Secs. 205, 273 and 316
(D) Secs. 205,273 and 317

56. In which of the following cases no charge need be formed:
(A) For inquires U/A 116
(B) For trial of summon cases U/S 251
(C) For summon cases where no appeal lies.
(D) All of the above.

57. A charge is framed by.'
(A) The court
(B) The accused
(C) The prosecution
(D) All of the above

58. Under section 216 of the code of criminal procedure, 1973 a charge may be altered at any time:
(A) Before judgement
(B) Before prosecution evidence short
(C) after complition of prosecution avidence but before the examination of the accused u/s 313
(D) Before arguments.

59. Which of the following sections does not provide for joinder of charges:
(A) Sec. 219
(B) Sec. 221
(C) Sec. 222
(D) Sec. 225

53. आदेशिका की प्रक्रिया (सम्मन या वारण्ट) दिया गया है अर्न्तगत :
(A) धारा 203
(B) धारा 204
(C) धारा 205
(D) धारा 206

54. निम्नलिखित मे सें कौन मजिस्ट्रेट आदेशिका दे सकता है
(A) वह मजिस्ट्रेट जिनके द्वारा संज्ञान लिया गया है
(B) वह मजिस्ट्रेट जिनके द्वारा बाद ट्रान्सफर किया गया है
(C) दोनों (A) और (B)
(D) केवल (A)

55. अभियुक्त की निजी हाजिरी माफी के प्रावधान दिये गये है:'
(A) धारा 204 एवं 205 में
(B) धारा 205 एवं 206 में
(C) धारा 205 , 273 और 316 में
(D) धारा 205, 273 और 317में

56. निम्नलिखित मे चार्ज बनाने की आवश्यकता नही है:
(A) जांच अर्न्तगत धारा 116
(B) अर्न्तगत धारा 251 सम्मन केश में विचारण पर
(C) समरी केश जहां अपील नही है
(D) उपर्युक्त सभी।

57. आरोप बनाया जाता है:
(A) (By the court) न्यायालय के द्वारा
(B) आरोपी द्वारा
(C) अभियोजन द्वारा
(D) उपर्युक्त सभी

58. अर्न्तगत धारा 216 cr.P.c.1973 आरोप किसी समय परिवर्तित किया जा सकता है
(A) निर्णय से पहले
(B) अभियोजन साक्ष्य प्रारम्भ होने से पहले
(C) अभियोजन साक्ष्य पूर्ण होने के बाद परन्तु आरोपी परीक्षण अर्न्तगत धारा 313 से पहले
(D) बहस से पहले

59. निम्नलिखित में कौन सी धारा ज्वाइन्डर आफ चार्ज का प्रावधान नहीं है:
(A) अर्न्तगत धारा 219
(B) अर्न्तगत धारा 221
(C) अर्न्तगत धारा 222
(D) अर्न्तगत धारा 225

60. Procedure of summary trial is provided in which section of the cr. P-C.
(A) Sec. 251 to sec. 260
(B) Sec. 238 to sec. 250
(C) Sec. 260 to sec. 265
(D) Sec. 255 to sec. 265

61. The maximum Term of imprisonment awarded in a summary trial is
(A) Three month.
(B) Six month
(C) one year
(D) Two years

62. A complaint could be withdraw under sec. 257.'
(A) At any time before a final order is passed
(B) Only before a charge is framed
(C) Only after a change is framed
(D) All of the above

63. Power of the Court to canvart Summans cases into warrant-cases in provided'
(A) Sec. 258
(B) Sec. 259
(C) Sec. 260
(D) Sec. 261

64. Which section empowers the court to examine the accused:
(A) U/S 312
(B) U/S 313
(C) U/S 314
(D) U/S 315

65. Compounding of offences is defined under which section of Cr, p.c.
(A) U/S 315
(B) U/S 320
(C) U/S 321
(D) U/S 330

66. Which of the following offence is not Compoundable?
(A) Offence U/S 334 of IPC
(B) Offence U/S 342 of IPC
(C) Offence U/S 307 of IPC
(D) Offence U/S 506 of IPC

67. Judgement means a judgement of:
(A) Conviction
(B) Acquittal
(C) Connection and acquittal
(D) Discharge

60. समरी विचारक का प्रावधान भा. द. स. की किन धाराओं मे प्रावधानित किया गया है:
(A) अर्न्तगत धारा 251 से धारा 260
(B) अर्न्तगत धारा 238 से धारा 250
(C) अर्न्तगत धारा 260 से धारा 265
(D) अर्न्तगत धारा 255 से धारा 265

61. सम्मन विचारक में अधिकतम सजा देने का प्रावधान है:
(A) तीन माह
(B) छः माह
(C) एक वर्ष
(D) दो वर्ष

62. एक शिकायत वापस ली जा सकती है अर्न्तगत धारा 257
(A) किसी समय अत्तिम आदेश से पहले
(B) केवल आरोप बनने से पूर्व
(C) केवल आरोप बनने के पश्चात
(D) उपर्युक्त सभी में

63. न्यायालय को शक्ति प्रावधानित कि गयी है कि सम्मन वादों को वारण्ट वादों मे बदल सके
(A) धारा 258 में
(B) धारा 259 में
(C) धारा 260 में
(D) धारा 261 में

64. कौन सी धारा न्यायालय को शक्ति प्रदान करती है कि वह आरोपी का परीक्षण करें:
(A) अर्न्तगत धारा 312
(B) अर्न्तगत धारा 313
(C) अर्न्तगत धारा 314
(D) अर्न्तगत धारा 315

65. किन मामलों में सुलह हो सकती है भा.द.सं. की किस धारा में परिभाषित किया गया हैं:
(A) अर्न्तगत धारा 315
(B) अर्न्तगत धारा 320
(C) अर्न्तगत धारा 321
(D) अर्न्तगत धारा 330

66. निम्नलिखित में से कौन सा अपराध (कम्पाउण्डेबल) समाधेय अपराध नही है:
(A) अपराध अर्न्तगत धारा 334 भा. द. स.
(B) अपराध अर्न्तगत धारा 342 भा. द. स.
(C) अपराध अर्न्तगत धारा 307 भा. द. स.
(D) अपराध अर्न्तगत धारा 506 भा. द. स.

67. निर्णय का अर्थ,' निर्णय हों–
(A) दोष सिद्ध
(B) दोष मुक्ति
(C) दोष सिद्धि और दोष मुक्ति
(D) मुक्ति

68. The judgement in every trial shall be.

(A) Pronounced its open court by the presiding of officer

(B) Delivered and read out.

(C) immediately made available to the parties tree of cast

(D) All of the above

69. A person released u/s. 360 cr p-c

(A) Is acquittal of the offence

(B) Is not aquittal of the offence

(C) Can be called back imposition of sentence if he tails to confirm the conditions.

(D) Can not called back and sent to prison.

70. Which section of the cr. P-c provides for confermation by the High court of an order of death sentence passed by session court prior to its execution?

(A) u/s. 368

(B) u/s. 366

(C) u/s. 371

(D) u/s. 369

71. No appeal shall lia from any judgement /order of a criminal court except as provided by:

(A) The code

(B) Any other law

(C) Both (A) and (B)

(D) Only (A)

72. Under which section. cr. P.c. session court exercises powers of appeal from conviction?

(A) U/S 372

(B) U/S 397

(C) U/S 374

(D) U/S 398

68. प्रत्येक विचारक में निर्णय होता है,'

(A) खुले न्यायालय में पीठासीन अधिकारी द्वारा सुनाया जाता है

(B) सुनाया और दिया जाता है

(C) पक्षकारों को तुरन्त मुक्त में उपलब्ध कराया जाता है

(D) उपयुक्त सभी

69. एक व्यक्ति की रिहाई अर्न्तगत धारा 360 भा.द.प्र.

(A) अपराध के दोष मुक्ति पर

(B) अपराध के दोष मुक्ति नही होने पर

(C) वापस बुलाया जा सकता है अगर शर्तो का उल्लंघन करता या पूरी नहीं करता

(D) वापस नहीं बुलाया जाता और जेल भेजा जाता है

70. भा.द.स. की कौन सी धारा प्रावधान करती है कि सत्र न्यायालय मृत्यु दण्ड देने से पहले आदेश के निष्पादन हेतु उच्च न्यायालय द्वारा पुष्टि करा लेगीः

(A) अर्न्तगत धारा 368

(B) अर्न्तगत धारा 366

(C) अर्न्तगत धारा 371

(D) अर्न्तगत धारा 369

71. आपराधिक न्यायालय के किसी निर्णय ओदश की अपील नहीं की जा सकती है सिबाय इसके प्रावधानित,'

(A) संहिता के अर्न्तगत

(B) किसी विधि के अर्न्तगत

(C) दोनों (A) और (B)

(D) केवल (A)

72. भा.स.द. की किन धारा के अर्न्तगत सत्र न्यायालय दोष सिद्ध की अपील के सम्बन्ध में शक्तियों का प्रयोग करती है

(A) अर्न्तगत धारा 372

(B) अर्न्तगत धारा 397

(C) अर्न्तगत धारा 374

(D) अर्न्तगत धारा 398

73. The appeal against on order by aquittal passed by the court of judicial magistrate first class shall the to:
(A) The court of chief judicial magistrate
(B) The court of session
(C) The high court
(D) The supreme court.

74. Mark the incorrect statement:
(A) A criminal appeal can be dismissed on the ground that no one appeared to support the petetion
(B) while those are provisions /are withdrawal of trials there is no provision in the code for withdrawal of appeal
(C) An appeal an order of aquittal can lie only to the high court
(D) None of the above

75. It is obligaling upon the court to great bail to the person convicted pending presentation to an appeal under.'
(A) Sec 389 (i)
(B) Sec 389 (ii)
(C) Sec 389 (iii)
(D) Sec 389 (iv)

76. Criminal procedure code does not have provisions regarding.
(A) Reference
(B) review
(C) Revision
(D) All of the above

77. A reference U/S 395
(A) is always made about some question of law
(B) Can be made is a pending case
(C) Can only be made is the high court
(D) All of the obove

78. Which of the following order is not open to Revision?'
(A) An order grounting a inter in maintence
(B) order of adjournment
(C) is order for the taking of cognizance of an offence
(D) An order u/s 167

73. न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के द्वारा पारित दोष मुक्ति के ओदश के विरूद्ध अपील लाई जा सकती है:
(A) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट
(B) सत्र न्यायाधीश
(C) उच्च न्यायालय
(D) सर्वोच्च न्यायालय

74. गलत कथन को चिन्हित कीजिए:
(A) अपराधिक अपील खारिज की जा सकती है यदि कोई अपनी पटीशन की पैरवी नही करता है
(B) जब की विचारक से वापस लेने का प्रावधान है जब कि इस संहिता मे अपील वापस लेने का प्रावधान नहीं है
(C) अपील दोषमुक्ति आदेश के खिलाफ केवल उच्च न्यायालय में लाई जा सकती है
(D) उपर्युक्त किसी मे नही

75. जमानत देना न्यायालय के लिए अनिवार्य है यदि उसका दोष सिद्ध अपील में दाखिल किया गया है अर्न्तगत धारा
(A) Sec 389 (i)
(B) Sec 389 (ii)
(C) Sec 389 (iii)
(D) Sec 389 (iv)

76. भा. द. स. के अर्न्तगत इसका कोई प्रावधान नहीं है'
(A) संदर्भ
(B) समीक्षा
(C) संशोधन
(D) उपर्युक्त सभी

77. संदर्भ अर्न्तगत धारा 395
(A) हमेशा बना है यदि विधि का प्रश्न है
(B) विचाराधीन बाद में यह किया जा सकता
(C) यह केवल उच्च न्यायालय में किया जा सकता है
(D) उपर्युक्त सभी में

78. निम्नलिखित में किस आदेश में संशोधन नही किया जा सकता है
(A) अन्तिरक भरण पोषण के ओदश में
(B) स्थगन आदेश
(C) अपराध का संज्ञान लेन से सम्बन्धित आदेश
(D) आदेश अर्न्तरगत धारा 167

79. The supreme court may act under sec. 406 only on the.'
(A) Application of the attorney general of India
(B) Application of the Complainent
(C) Application of the public prosecuter or accused
(D) All of the above

80. Under sec. 407 where an application for transfer is made to the high court
(A) It can order stay of proceeding before the subordinate court pending disposed of the transfer application.
(B) The high court can not impose any term
(C) The subordinate court power to remand u/s. 309 is also affected because of stay order
(D) all of the above.

81. Assertion (A).' Bail not jail is the general rule is boilable offence in India reasons (R)' personal liberty is the most cherished' right of a human being'
(A) Both (A) and R are individual true and R is not correct explaination on of A
(B) Both A and rare individually true but R is not the correct explaination of A
(C) A is true but R in false
(D) A is false but R is True

82. Section 437 provides for.'
(A) Boilable offence
(B) None- boilable offences
(C) Both (A) and (B)
(D) Only (B)

83. In which of the following cases, bail cannot be refused in respect of a non boilable offence
(A) No reasonable ground for believing the accused guily of a non bailable of fence but sufficient for four their inquiry.
(B) Trial not concluded within 60 days
(C) Both (A) and (B)
(D) Only (A)

79. उच्चतम न्यायालय अर्न्तरगत धारा 406 में कार्य करता है केवल,'
(A) भारत के महाअधिवक्ता के प्रार्थनापत्र के द्वारा
(B) शिकायत कर्ता के प्रार्थना पत्र पर
(C) लोकअभियोजक/आरोपी के प्रार्थना पत्र पर
(D) उपर्युक्त सभी के '

80. अन्तर्गत धारा 407 जहां स्थानान्तर का प्रार्थना पत्र उच्च न्यायालय में दिया गया
(A) उसमें आदेश हो सकता है प्रक्रिया रोकने का निचली अदालत को जब तक स्थानान्तरण प्रार्थना पत्र निर्णय हेतु विचाराधीन है
(B) उच्च न्यायालय कोई समय सीमा नहीं लगायेगा।
(C) निचली अदालत के अर्न्तगत धारा 409 रिमाण्ड की शक्ति प्रभावित हेागी क्यों कि स्थगन आदेश है
(D) उपर्युक्त सभी

81. कथन (A) जमानत, अधिकार जेल अपवाद साधारण नियम है भारत में जमानती अपराध में – कारण! 'R'निजी स्वतन्त्रता का अधिकार मानव प्राणी का है
(A) दोनों 'A' और R सही हैं और R सही व्याख्या A नही है
(B) दोनों 'A' और R सही हैं परन्तु A की सही स्पष्टीकरण नहीं है A
(C) A सही है R गलत है
(D) A गलत है R सही है

82. धारा 437 प्रावधान करती है
(A) जमानती अपराध के सम्बन्ध में
(B) गैर जमानती अपराध के सम्बन्ध में
(C) दोनो (A) और (B)
(D) केवल (B)

83. निम्नलिखित परिस्थितियाँ में जमानत गैर जमानती अपराधों में मना नही की जा सकती है
(A) कोई तर्क संगत आधाार विश्वास करने लाइक न हो कि उसने गैर जमानती अपराध किया परन्तु पुनः जाच का पर्याप्त कारण हों
(B) विचारण/जाँच 60 दिन के अन्दर न पूर्व हो
(C) दोनों (A) और (B)
(D) केवल (A)

84. Under which section of the cr.p.c. anticipatory bait may be granted to a person apprehending his arrest.
(A) U/S 438
(B) U/S 439
(C) U/S 436
(D) U/S 437

84. भा.द.स. की किस धारा के अर्न्तगत अग्रिम जमानत किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी की संम्भाव्य परिस्थियों को देखते हुए दी जा सकती है
(A) अर्न्तरगत धारा 438 में
(B) अर्न्तरगत धारा 439 में
(C) अर्न्तरगत धारा 436 में
(D) अर्न्तरगत धारा 437 में

85. Which of the following is a leading case on anticipatory bail:
(A) Gurbakas singh sibhia v/s s. of punjab
(B) Gurcharan singh u/s state
(C) Rao hamarain singh v/s state
(D) All of the above

85. निम्नलिखित में अग्रिम जमानत के सम्बन्ध में कौन सा वाद मुख्य वाद हैं
(A) गुरूबक्श सिंह सिबिहा v/s पंजाब राज्य
(B) गुरूचरन सिंह v/s राज्य
(C) राव हमारैन सिहं v/s राज्य
(D) उपर्युक्त सभी

86. Even ofter bail has been granted it can be cancelled under:
(A) Sec.437 (5)
(B) Sec.439
(C) Both (A) and (B)
(D) Only (B)

86. जमानत देने के उपरान्त इसे रद्द किया जा सकता हैः
(A) अर्न्तरगत धारा 437 (5)
(B) अर्न्तरगत धारा 439 (2)
(C) दोनों (A) और (B)
(D) केवल (B)

87. Bail amount fixed by the magistrate can be :
(A) Reduced by the Magistrate
(B) The High court of court of session
(C) Both (A) and (B)
(D) Can not be reduced

87. जमानत धनराशि निर्धारित की जाती मजिस्ट्रेट के द्वारा उसेः
(A) घटाया जा सकता है मजिस्ट्रेट के द्वारा
(B) उच्च न्यायालय या सत्र न्यायालय द्वारा
(C) दोनों (A) और (B)
(D) इसे घटाया नही जा सकता है

88. Inherant powers under sec. 482 can be exercised by :
(A) Any criminal court
(B) The Supreme court only
(C) The session court and High court
(D) The High court

88. धारा 482 अर्न्तरगत अन्तर निहित शक्तियों का प्रयोग किया जाता है'
(A) किसी अपराधिक न्यायालय द्वारा
(B) केवल उच्चतम न्यायालय द्वारा
(C) सत्र न्यायालय और उच्च न्यायालय द्वारा
(D) उच्च न्यायालय द्वारा

89. Once ofter the signature on the Judgement court can be make correction.
(A) In Punishment
(B) After in Judgement
(C) Clearkal/Typing mistake
(D) None of any correction

89. एक बार निर्णय पर हस्ताक्षर कर देने के बाद न्यायालय उसमें संशोधन कर सकता है
(A) दण्डादेश में
(B) निर्णय में परिवर्तन
(C) किपकीय त्रुटीयो में
(D) कोई संशोधन नही

90. On Probation of good behaviour which parson has been released under sec. 360 of Cr.P.C
(A) Persan not less than 21 years of age
(B) Person Less than 21 years of age
(C) Any Women
(D) All of the above

91. No appeal lia by the canvicted person in the following cases:
(A) Where high court passed the sentence of punishment not more then six month
(B) Where session court passed the sentence of punishment of fine up to Rs.500/=
(C) Where magistrate of 1st class passed the sentence of punishment not more than one month.
(D) All of the above.

92. By the session, Court sent to high court for the confirmation of the death sentence , High court.'
(A) May confine the punishment
(B) Cancelled to the Punishment
(C) Other punishment awarded according is law
(D) all of the above

93. Under section 438 Cr, P.c. order may passed for bail:
(A) Only after the arrest
(B) In Boilable and non bail able offence Both
(C) Only in non bailable offences
(D) By only the court for which is aouthrised for the trial of the offences

94. In which section of Cr. P-c. 1973 provisions for session court to Transfer the cases and appeal:
(A) Section 409
(B) Section 408
(C) Section 407
(D) Section 406

95. Which case is related to anticipatory bail in the following
(A) D.K.Ganesh Babu u/s P.T. Manokaran
(B) Tama u/s. State of west bengal
(C) Dinesh Dalmia u/s C.B.I.
(D) Dimple Gupta u/s Rajeev Gupta

90. दण्ड प्रक्रिया सं. की धारा 360 के अर्न्तगत सदाचरण की परिवीक्षा पर किसे छोड़ा जा सकता है
(A) जो व्यक्ति 21 वर्ष से कम आयु का नहीं है
(B) जो व्यक्ति 21 वर्ष से कम आयु का है
(C) कोई स्त्री
(D) उपर्युक्त सभी

91. निम्न मामले मे दोष सिद्ध व्यक्ति द्वारा कोई अपील नही होगी:
(A) जहां उच्च न्यायालय केवल छः मास से अनधिक की अवधि के कारावास के दण्डा देश पारित करता है
(B) जहां सत्र न्यायालय केवल पाँच सौ रूपये से अनाधिक जुर्माने का दण्डादेश पारित करता है
(C) जहाँ प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट केवल एक मास से अनाधिक की अवधि के कारावास का दण्डा देश पारित करता है
(D) उपरोक्त सभी दशाओ में

92. सत्र न्यायालय द्वारा मृत्यु दण्ड की पुष्टि के लिए उच्च न्यायालय भेजे जाने पर उच्च न्यायालय
(A) दण्डादेश की पुष्टि कर सकता है
(B) दण्डादेश को रद्द कर सकता है
(C) विधि सम्मत अन्य दण्डा देश पारित कर सकता है
(D) उपर्युक्त सभी

93. धारा 438 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अधीन जमानत हेतु आदेश दिया जा सकता है:
(A) केवल गिरफ्तारी उपरान्त
(B) जमानतीय तथा गैर जमानतीय दोनो ही प्रकार के अपराधो के सम्बन्ध में,'
(C) केवल अजमानतीय अपराधों के सम्बन्ध में
(D) केवल ऐसे न्यायालय द्वारा जो उस अपराध के विचारण हेतु अधिकृत है

94. दण्ड प्रक्रिया सहिता 1973 की किस धारा में वादो और अपीलो को अन्तरित करने की सेसन न्यायालय की शक्ति का प्रावधान है
(A) धारा 409
(B) धारा 408
(C) धारा 407
(D) धारा 406

95. निम्नलिखित में से कौन सा वाद अग्रिम जमानत से सम्बन्धित है?
(A) डी.के गणेश बाबू नाम पी.टी मनोकरन
(B) तामा बनाम में.बंगाल राज्य
(C) दिनेश डालमिया बनाम सी.बी.आई
(D) डिम्पल गुप्ता बनाम राजीव गुप्ता

96. The inherent powers to session Court provides:
(A) Under section 481
(B) Under section 482
(C) Under section 483
(D) Not any where in cr.p.c.

97. In which case laiddown that accused have no right to produce any documents at the time of framing the charge.
(A) Anil Royal v/s. state of Bihar
(B) State of urisa v/s Devendra Nath Pari
(C) Bani singh v/s. state of u.p.
(D) Pratap singh u/s state of Jharkhand

98. Before the session court in any trial it's the ofrinion of judge, the Trial is not triable by session court than he sent to case to?
(A) Chief judicial magistrate
(B) Judicial magistrate of 1st class
(C) Additional session court
(D) Chief judicial magistrate or any other judicial magistrate pf 1st class

99. Any accused on bases of compromise (Plea of barganing) application produce in:
(A) Any court
(B) District court
(C) In which court where the case under pending.
(D) In High court .

100. Correct match in the following.
(1) Anticipatory Bail – sec 437 cr. P.c.
(2) Brief rejection of Appeal – sec.384 cr. p.c.
(3) Appeal in case Aquittal- sec 376 cr.pc
(4) Reference of Hihg court – sec. 397 cr. pc
answer with the help of koot be given below-
(A) 1, 2 and 4
(B) 1, 3 and 4
(C) 1, 2 and 3
(D) 2, 3 and 4

96. सत्र न्यायालय की 'अर्न्तनिहित शक्तियाँ दी गयी हैं,'
(A) धारा 481 में
(B) धारा 482 में
(C) धारा 483 में
(D) दण्ड प्रक्रिया संहिता में कही नही

97. किस वाद में निर्धारित हुआ है कि अभियुक्त के विरूद्ध आरोप विरचित करने का या संज्ञान में लेने के समय अभियुक्त को कोई दस्तावेज प्रस्तुत करने का अधिकार नहीं है?
(A) अनिल रायल बनाम बिहार राज्य
(B) उड़ीसा राज्य बनाम देवेन्द्र नाथ पाढ़ी
(C) बनी सिंह बनाम उ.प्र. राज्य
(D) प्रताप सिहं बनाम झारखण्ड राज्य

98. सत्र न्यायालय के समक्ष किसी विचारण में यदि न्यायाधीश की राय है कि उक्त अपराध अनन्यतःसत्र न्यायाधीश द्वारा विचारणीय नही है तो वह मामले को किसे भेजेगा
(A) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को
(B) प्रथम श्रेणी न्याायिक मजिस्ट्रेट को
(C) अतरिक्त सत्र न्यायाधीश
(D) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट या किसी अन्य प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट को

99. कोई अभियुक्त अनुनय समझौते (प्ली वारग्येनिग) का आवेदन पत्र कहां दाखिल कर सकता है:
(A) किसी न्यायालय में
(B) जिला न्यायालय में
(C) उस न्यायालय मे जहां ऐसा अपराध विचाराधीन है
(D) उच्च न्यायालय में

100. निम्नलिखित संयाजनो मे कौन से सही सुमोलिए नहीं है
(1) अग्रिम जमानत–धारा 437 द. प्र. सं.
(2) अपील को संक्षिप्त खारिजी– धारा 384 द. प्र. स.
(3) दोष मुक्ति की दशा में अपील– धारा 376 द. प्र. स.
(4) उच्च न्यायालय का सँदर्भ–धारा 397 द. प्र. स.
नीचे दिये गये कूट की सहायता से उत्तर दीजिए
(A) 1, 2 और 4
(B) 1, 3 और 4
(C) 1, 2 और 3
(D) 2, 3 और 4

******

Rough Work / रफ कार्य

DO NOT OPEN THE QUESTION BOOKLET UNTIL ASKED TO DO SO

1. Examinee should enter his / her roll number, subject and Question Booklet Series correctly in the O.M.R. sheet, the examinee will be responsible for the error he / she has made.
2. **This Question Booklet contains 100 questions, out of which only 75 Question are to be Answered by the examinee. Every question has 4 options and only one of them is correct. The answer which seems correct to you, darken that option number in your Answer Booklet (O.M.R ANSWER SHEET) completely with black or blue ball point pen. If any examinee will mark more than one answer of a particular question, then the first most option will be considered valid.**
3. Every question has same marks. Every question you attempt correctly, marks will be given according to that.
4. Every answer should be marked only on Answer Booklet **(O.M.R ANSWER SHEET).** Answer marked anywhere else other than the determined place will not be considered valid.
5. Please read all the instructions carefully before attempting anything on Answer Booklet **(O.M.R ANSWER SHEET).**
6. After completion of examination please hand over the Answer Booklet **(O.M.R ANSWER SHEET)** to the Examiner before leaving the examination room.
7. There is no negative marking.

Note: On opening the question booklet, first check that all the pages of the question booklet are printed properly in case there is an issue please ask the examiner to change the booklet of same series and get another one.